125 करोड़ के विकास कार्यों पर पोर्टल का ब्रेक

कार्ययोजना अपलोड न होने से रुके कार्य, 16वां वित्त आयोग लागू करने के कारण बंद था पोर्टल

महाराष्ट्र में मलबा हटाते हुए रोबोट डिग्गर मशीन का उपयोग

अरुण कुमार, बागपत: 125 करोड़ रुपये की अनुमानित कार्ययोजना ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड नहीं होने से 344 ग्राम पंचायतों में तीन साल से विकास ठप है। केवल पिछले साल के कार्य ही जो लेकिन चालू वित्त वर्ष की कार्ययोजना के कारण लाइनों में बंद हैं। ई-ग्राम पोर्टल खुल गया है लेकिन जिम्मेदारों की कार्ययोजना को लेकर गति से अपलोड कराने में रुचि नहीं। **ग्रामीण लाइनों की पूरानी पड़ चुकी है, स्वीकृत विकास ठप है और लोगों को...।**

ग्राम पंचायतों की पूरी बात की कार्ययोजना पहले सरकार के ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। मगर 15वें वित्त आयोग का काम पूरा होने के चालू वित्त वर्ष में 16वां वित्त आयोग लागू हो गया। इस कारण पोर्टल बंद था। इसके 344 ग्राम पंचायतों की 125 करोड़ रुपये की अनुमानित कार्ययोजना पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाई। अब पोर्टल खुल गया लेकिन अधिकारी एवं ग्राम पंचायत कार्ययोजना अपलोड करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

इस वजह से गांवों में सड़क, नाली निर्माण, पेयजल, सीवरेज, इंटरलॉकिंग, स्कूलों का रखरखाव, डिग्गियों का रिचार्ज तथा तालाबों के लिए गहराई का निर्माण इन तालाबों के कोटा तैयार नहीं हो पा रहा है। अधिकांश लाइनें ग्रामीणों को भुगतान नहीं हो है। सबसे ज्यादा जिला पंचायत के कारण है। गांवों की गलियों तथा जहां तक में नाली बुना है, मलबा डाल कर है कि बंधारे के निर्माण अभियान चल रहा है लेकिन गांवों में पेयजल संकट का अंदेशा बना है। अधिकांश गांवों में अभियान किस बहाने नहीं है। नाले पटे के कारण मलेरिया डेंगू के भय, गलियों टूटा व अतिक्रमण बना गंदा, मकान तथा घर बाहर डिग्गियों द्वारा पेयजल, सफाई व्यवस्था व स्वच्छ पीने के पानी की दुश्वारियां होने का गंभीर खतरा, अतिक्रमण-दूषित गंदा व जुकाम-बुखार तथा पीने डिग्गियों तथा का पानी उपयोग, ही बनिस्बत, क्योंकि इसी पीने के जल स्रोतों में विकास कार्ययोजना नहीं है।

> ई-ग्राम स्वराज पोर्टल खुलने के कारण कार्ययोजना अपलोड नहीं हो सकी। अब पोर्टल खुल गया है। जल जीवन मिशन के अधिकारियों को प्रतिदिन अपलोड करने का लक्ष्य दिया गया है।
>
> **जोय जोसेफ कुरुप, जिला पंचायत राज अधिकारी।**

शिव कृपा से होती है मोक्ष की प्राप्ति

संवु, अमोला बाग: [illegible] मंदिर में पूर्व [illegible] और रेवा कमेटी [illegible] के आयोजन किया जा रहा है। कथावाचक [illegible] ने भागवत रेवा की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि [illegible] शरीर और कुटुम्ब में ही रेवा कुण्ड होते हैं उसमें स्नान कि भागवत शिव जाने [illegible] के बाद कष्ट हरकर, उन्हें मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

कथा के दूसरे दिन, [illegible] कथा सुनाने ने शिव-पार्वती विवाह, [illegible] तथा [illegible] शिव की कृपा और [illegible] तथा [illegible] के महत्व [illegible] बताया। उन्होंने [illegible] के [illegible] लोगों, [illegible]-[illegible] का [illegible] और [illegible] में [illegible] एवं [illegible] का [illegible] बताया। [illegible] ने [illegible] [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible]